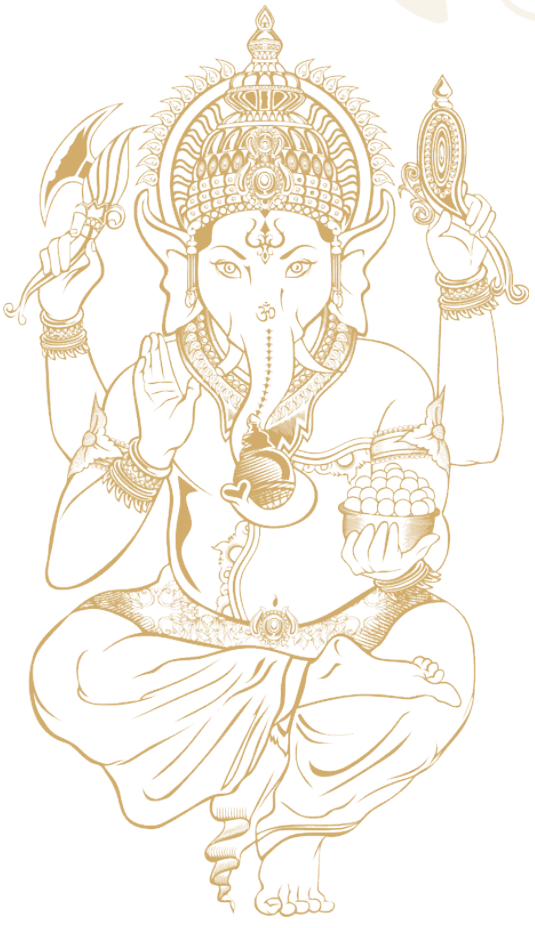

Nikhil

Arshi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120880002

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
01/07/1993	जन्म तिथि	30/10/1996
गुरुवार	दिन	बुधवार
घंटे 11:16:00	जन्म समय	14:08:00 घंटे
घटी 14:32:54	जन्म समय(घटी)	18:59:56 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Bulandshahr
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:30:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:49:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:18:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:26:50	सूर्योदय	06:29:26
19:22:54	सूर्यास्त	17:35:11
23:46:15	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:46

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 7वर्ष 3मा 25दि		00:04:27	कन्या	लग्न	कुंभ	03:21:12	मंगल 3वर्ष 10मा 20दि	
शुक्र		15:38:20	मिथु	सूर्य	तुला	13:23:24	गुरु	
25/10/2024		11:31:49	वृश्चि	चंद्र	वृष	29:15:27	20/09/2018	
25/10/2044		10:49:42	सिंह	मंगल	सिंह	06:13:12	20/09/2034	
शुक्र	25/02/2028	04:28:48	कर्क	बुध	तुला	11:42:14	गुरु	08/11/2020
सूर्य	24/02/2029	12:18:23	कन्या	गुरु	धनु	18:44:14	शनि	22/05/2023
चन्द्र	26/10/2030	01:07:21	वृष	शुक्र	कन्या	07:13:22	बुध	27/08/2025
मंगल	26/12/2031	06:12:01	कुंभ व	शनि व	मीन	07:47:34	केतु	03/08/2026
राहु	26/12/2034	18:17:46	वृश्चि	राहु व	कन्या	13:50:49	शुक्र	03/04/2029
गुरु	26/08/2037	18:17:46	वृष	केतु व	मीन	13:50:49	सूर्य	20/01/2030
शनि	25/10/2040	26:53:23	धनु व	हर्ष	मक	07:00:19	चन्द्र	22/05/2031
बुध	26/08/2043	26:17:14	धनु व	नेप	मक	01:19:15	मंगल	27/04/2032
केतु	25/10/2044	29:14:00	तुला व	प्लूटो	वृश्चि	08:11:28	राहु	20/09/2034

लग्न-चलित

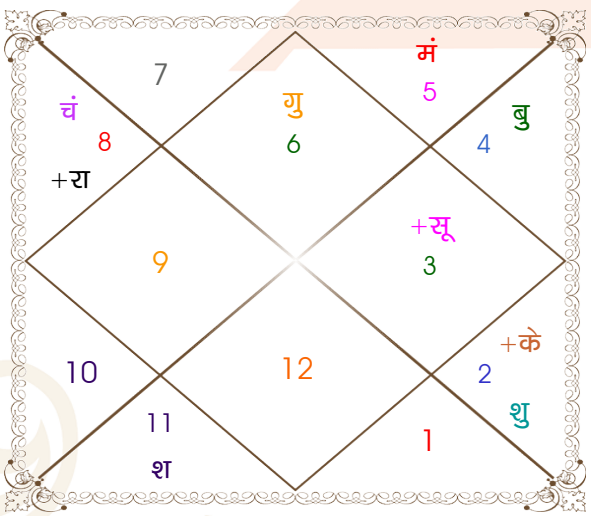

लग्न-चलित

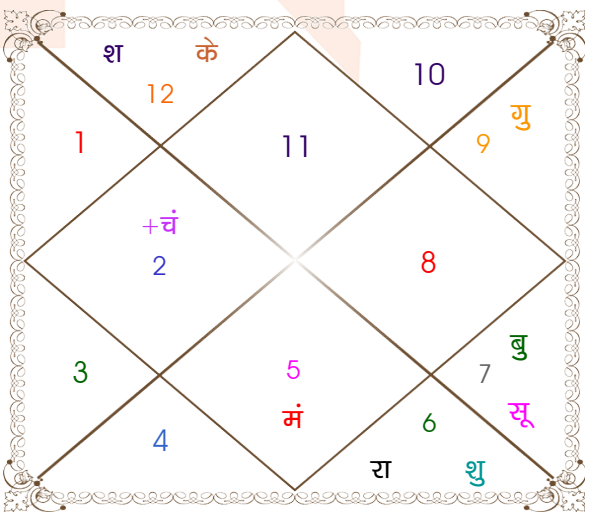

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.50		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Arshi का नक्षत्र मृगशिरा है।

Nikhil का वर्ग सर्प है तथा Arshi का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Nikhil और Arshi का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Nikhil मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

Arshi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Arshi कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Nikhil कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Nikhil तथा Arshi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।